PCS मंत्र

पीसीएस/यूपीएससी परीक्षा-उन्मुख समसामयिकी

सुरंगम पुनरुद्धार: कासरगोड की आठ ग्राम पंचायतों में पारंपरिक जल-सुरंग परियोजना

समाचार-संदर्भ: द हिंदू, 30 अक्टूबर 2026 (कासरगोड)

प्रकाशन: 31 अक्टूबर 2026

मुख्य परीक्षा: GS-I/III: पारंपरिक जल-प्रबंधन, भूजल-संकट, जलवायु-अनुकूलन

प्रिलिम्स: सुरंगम, पारंपरिक जल-संचयन, लैटराइट, VB-G RAM G



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

केरल के कासरगोड ज़िले की आठ ग्राम पंचायतों में पारंपरिक भूमिगत जल-सुरंगों (सुरंगम) के पुनरुद्धार की व्यापक परियोजना लागू होने जा रही है। घटती वर्षा और बढ़ते सूखा-जोखिम के बीच इसका उद्देश्य भूजल-पुनर्भरण सुधारना, वर्षा-जल संरक्षित करना और नदियों में जल-प्रवाह बनाए रखना है (द हिंदू, 30 अक्टूबर 2026)।

प्रमुख तथ्य

परियोजना-क्षेत्र: पहले चरण में कय्यूर-चीमेनी, कोडोम-बेलूर, कल्लार, पल्लिक्कारा, बेडड्का, पुतिगे, चेंगला और कुंबला ग्राम पंचायतें शामिल हैं।

PCSMANTRA.COM

क्रियान्वयन: कार्य में विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) — VB-G RAM G — के श्रमिकों का व्यापक उपयोग होगा; यह योजना मनरेगा का स्थान लेने वाली ग्रामीण रोजगार-गारंटी स्कीम है।

वैज्ञानिक सहयोग: केंद्रीय भूजल बोर्ड (CGWB) के केरल क्षेत्रीय कार्यालय के विशेषज्ञ सुरंगों के पुनरुद्धार, संरक्षण और वैज्ञानिक रखरखाव पर VB-G RAM G अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा कर चुके हैं; केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग के छात्र-स्वयंसेवकों से सुरंगों की संख्या, स्थिति और जल-उपलब्धता की विस्तृत सूची बनाने में सहायता माँगी गई है।

सुरंगम क्या है: लैटराइट टीलों में खोदी गई क्षैतिज सुरंगें, जिनमें भूजल स्वाभाविक रूप से रिसकर आता है और बाहर बहकर संग्रह के लिए उपलब्ध होता है; बोरवेल और गहरे कुओं के आम होने से पहले पेयजल और सिंचाई का प्रमुख साधन। मानसून में

रिसा हुआ जल ग्रीष्म में सुरंगों से बहकर आपूर्ति बनाए रखता है।

संख्या: कासरगोड में निजी संपत्तियों पर स्थित सुरंगों समेत एक हजार से अधिक सुरंगम होने का अनुमान है।

परीक्षा दृष्टिकोण

पाठ्यक्रम-जुड़ाव: GS-I (भारतीय भूगोल — जल-संसाधन, लैटराइट भू-आकृति), GS-III (पर्यावरण, भूजल-प्रबंधन, रोजगार-गारंटी योजनाएँ)।

प्रिलिम्स: भारत की पारंपरिक जल-संचयन प्रणालियाँ (सुरंगम, क़नात, बावड़ी, जोहड़), VB-G RAM G जैसी रोजगार-गारंटी योजनाएँ; कथन-आधारित प्रश्न में प्रणाली-स्थान मिलान संभव।

मुख्य परीक्षा (GS-1/3): पारंपरिक जल-प्रबंधन ज्ञान का समकालीन महत्व, भूजल-संकट और जलवायु-अनुकूलन, नदी-प्रवाह और पारिस्थितिकी — इन पहलुओं पर प्रश्न संभव हैं।

याद रखने योग्य बिंदु: आठ ग्राम पंचायतें — कय्यूर-चीमेनी, कोडोम-बेलूर, कल्लार, पल्लिक्कारा, बेडड्का, पुतिगे, चेंगला, कुंबला; VB-G RAM G श्रमिक; CGWB केरल क्षेत्रीय कार्यालय; एक हजार से अधिक सुरंगम; लैटराइट टीलों में क्षैतिज सुरंग, गुरुत्व-आधारित प्रवाह।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न. "पारंपरिक जल-संचयन प्रणालियाँ आधुनिक भूजल-संकट के समाधान में सहायक हो सकती हैं।" कासरगोड की सुरंगम पुनरुद्धार परियोजना के संदर्भ में इस कथन की समीक्षा कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में लिखिए। 15 अंक)

भूमिका में: आठ ग्राम पंचायतों की पुनरुद्धार परियोजना और उसके उद्देश्यों (भूजल-पुनर्भरण, सूखा-जोखिम) का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

मुख्य भाग में: सुरंगम प्रणाली की तकनीकी विशेषताएँ — लैटराइट टीलों में क्षैतिज सुरंग, गुरुत्व-आधारित प्रवाह, मौसमी उपयोगिता। परियोजना के सकारात्मक पक्ष — रोजगार-गारंटी योजना से जुड़ाव, वैज्ञानिक संस्थाओं (CGWB, केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय) का सहयोग, नदी-प्रवाह में सुधार की संभावना। चुनौतियाँ — रखरखाव, दस्तावेज़ीकरण की अनुपलब्धता, आधुनिक बोरवेल-संस्कृति से विस्थापन।

निष्कर्ष में: पारंपरिक ज्ञान और वैज्ञानिक रखरखाव के संगम को आधार बनाते हुए संतुलित निष्कर्ष लिखिए।

PCSMANTRA.COM

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. सुरंगम जल-प्रणाली के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. कासरगोड की पुनरुद्धार परियोजना का पहला चरण आठ ग्राम पंचायतों में लागू होगा
2. सुरंगम लैटराइट टीलों में खोदी गई क्षैतिज सुरंगें हैं
3. इन सुरंगों से पानी पंप और मोटर की सहायता से ऊपर खींचा जाता है

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (a) केवल 1 और 2। कथन 3 गलत है — सुरंगम में भूजल स्वाभाविक रूप से रिसकर सुरंग में आता है और गुरुत्व से बाहर बहता है; पंप या मोटर की आवश्यकता नहीं होती।

प्रश्न 2. कासरगोड सुरंगम पुनरुद्धार परियोजना (अक्टूबर 2026) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. कार्य में VB-G RAM G योजना के श्रमिकों का उपयोग किया जाएगा
2. केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग के छात्र सुरंगों की सूची-निर्माण में सहायता करेंगे
3. कासरगोड में सुरंगों की संख्या एक लाख से अधिक है

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (a) केवल 1 और 2। कथन 3 गलत है — द हिंदू की रिपोर्ट के अनुसार कासरगोड में निजी संपत्तियों समेत एक हजार से अधिक सुरंगम होने का अनुमान है, एक लाख से अधिक का नहीं।

PCSMANTRA.COM

स्रोत

1. द हिंदू (30 अक्टूबर 2026): कासरगोड की आठ पंचायतों में पारंपरिक सुरंगम का पुनरुद्धार